This question paper contains 7 printed pages.]

Your Roll No. ....

5330

B.A. (Programme) / I A

(T)

SANSKRIT DISCIPLINE – Paper I

(Poetry, Prose and History of Sanskrit Literature)

(Admissions of 2004/2006 and onwards in respect of Students of Regular Colleges/NCWEB)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : *(i)* Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

(ii) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

टिप्पणी : (i) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

(ii) प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. (a) Explain with reference to context any **one** of the following verses :

निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

(i) अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन् पूर्वसूरिभिः ।
मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः ।।

(ii) स दुष्प्रापयशः प्रापदाश्रमं श्रान्तवाहनः ।
सायं संयमिनस्तस्य महर्षेर्महिषीसखः ।।

(iii) अवजानासि मां यस्मादतस्ते न भविष्यति ।
मत्प्रसूतिमनाराध्य प्रजेति त्वां शशाप सा ।। 5

(b) Explain with reference to the context :

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

प्रसह्य मणिमुद्धरेन्मकरदंष्ट्रान्तरात् ।
समुद्रमपि सन्तरेत् प्रचलदूर्मिमालाऽऽकुलम् ।।
भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद् धारयेत् ।
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खं जनचित्तमाराधयेत् ।।

OR / अथवा

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः

प्रारभ्यविघ्नविहता विरमन्ति मध्याः ।

विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः ।

प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति ।।

OR / अथवा

सत्यानृता च परूषा प्रियवादिनी च ।

हिंस्रा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या ।।

नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च

वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा ।। 4

2. Translate with reference to the context, any **two** of the following verses :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए :

(i) यच्छक्यं ग्रसितुं यस्य ग्रस्तं परिणमेच्च यत् ।

हितं च परिणामे यत्तदायं भूतिमिच्छता ।।

(ii) जानन्नपि नरो दैवात्प्रकरोति विगर्हितम् ।

कर्म किं कस्यचिल्लोके गर्हितं रोचते कथम् ।।

(iii) यस्य न ज्ञायते शीलं न कुलं न संश्रयः ।

न तेन सङ्गतिं कुर्यादित्युवाच बृहस्पतिः ।।

(iv) उत्तमं प्रणिपातेन, शूरं भेदेन योजयेत् ।

नीचमल्पप्रदानेन, समशक्तिं पराक्रमैः ।। 2 + 2 = 4

3. (a) Translate the following :

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

स आह – 'भद्रे ममास्ति परमसुहृद्रक्तमुख नाम वानरः । स प्रीतिपूर्वकमिमानि फलानि प्रयच्छति ।' अथतयाऽभिहितम् – 'यः सदैवामृतप्रायाणीदृशानि फलानि भक्षयति । तस्य हृदयममृतमयं भविष्यति । तद्यदि मया भार्यया ते प्रयोजनं ततस्तस्य हृदयं मह्यम् प्रयच्छ । येन तद् भक्षयित्वा जरामरणरहिता त्वया सह भोगान्भुनज्मि ।' स आह भद्रे मा मैवं वद । यतः स प्रतिपन्नोऽस्माकं भ्राता । अपरं फलदाता । ततो व्यापादयितुं न शक्यते । तत्त्यजैनं मिथ्याऽऽग्रहम् ।

OR / अथवा

अथ मण्डूकाभावे सर्पेणाभिहितम् – 'भद्र ! निःशेषितास्ते रिपवः । यत्प्रयच्छान्यन्मे भोजनम् । यतोऽहं त्वयात्रानीतः । गङ्गदत्त आह – भद्र । कृतं त्वया मित्रकृत्यम् । तत्साम्प्रतमनेनैव घटिकायन्त्रमार्गेण गम्यताम्' इति । सर्प आह – 'भो गङ्गदत्त । न सम्यगभिहितं त्वया । कथमहं तत्र गच्छामि । मदीयबिलदुर्गमन्येन रुद्धं भविष्यति । तस्मादत्रस्थस्य मे मण्डूकमेकैकं स्ववर्गीयं प्रयच्छ । नो चेत्सर्वानपि भक्षयिष्यामि' इति । 3

(b) Translate any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए :

(i) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तिर्मनस्विनः

मूर्ध्नि वा सर्वलोकस्य विशीर्यते वनेऽथवा ।।

(ii) आज्ञाकीर्तिः पालनं ब्राह्मणानां दानं भोगो मित्र संरक्षणं च

येषामेते षड्गुणाः न प्रवृत्ताः कोऽर्थस्तेषां पार्थिवोपाश्रयेण ।।

(iii) साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।

तृणन्न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

(iv) परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते ।

स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम् ।।

3 + 3 = 6

4. Portray the characteristics of Kings of Raghu Dynasty.

रघुवंश के राजाओं के चारित्रिक गुणों का चित्रण कीजिए ।

OR / अथवा

Portray the nature as depicted by King Dilîpa while travelling towards the hermitage of Muni Vasishtha.

मुनि वसिष्ठ के आश्रम की यात्रा करते हुए राजा दिलीप द्वारा वर्णित प्रकृति का चित्रण कीजिए । **5**

5. Write the summary of any **one** of the following stories with its message :

निम्नलिखित कथाओं में से किसी **एक** का संदेश सहित सार लिखिये :

(i) युधिष्ठिर कुम्भकार-कथा ।

(ii) नन्द वररुचि-कथा ।

(iii) महाचतुरक श्रृगाल कथा । **5**

6. Write short notes on :

टिप्पणी लिखिए :

(i) घटिकायन्त्रमार्ग or (अथवा) वाडव ।

(ii) वैश्वदेवकर्म or (अथवा) षड्विधिप्रीतिलक्षण ।

2 + 2 = 4

7. Disjoin **five** Sandhis underlined in Q. No. **1** (b) and Q. No. **2.**

प्रश्नक्रम 1 (b) एवं प्रश्नक्रम 2 के रेखाङ्कित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का सन्धिविच्छेद कीजिये । **5**

8. Account for the case-endings in any **five** of the following underlined words :

निम्नलिखित रेखाङ्कित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** में विभक्ति के कारण बताइये :

(i) देशान्तरं गत्वा ।

(ii) प्रापदाश्रमम् ।

(iii) त्वया सह ।

(iv) मह्यम् प्रयच्छ ।

(v) तस्मादत्रस्थस्य मे ।

(vi) तस्मै निवेदितः ।

(vii) उत्तमं प्रणिपातेन

(viii) परिवर्तिनि संसारे । **5**

9. Discuss in short the origin and development of Mahākāvyas in Sanskrit Literature.

संस्कृत-साहित्य के महाकाव्य के उद्‌भव एवं विकास की समीक्षा कीजिये ।

OR / अथवा

Discuss the salient features of Sanskrit Lyrical poetry and illustrate with examples.

संस्कृत के गीतिकाव्यों की प्रमुख विशेषताएँ बताते हुए किन्हीं उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए । **10**

10. Write short notes on any **three** of the following : **5 + 5 + 5 = 15**

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

कादम्बरी, वासवदत्ता, दण्डी, अमरू, भर्तृहरि, शिवराजविजय ।

11. Write in Sanskrit answers of the following questions on the basis of texts given in Q. No. **3.**

प्रश्न संख्या **3** के गद्यांशों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए :

(i) तया किं अभिहितम् ?

(ii) स: (मकर:) किमाह ?

(iii) मण्डूकाभावे सर्पेण किमभिहितम् ?

(iv) गङ्गदत्त किमाह ? **4**